चौमूं हाऊस पार्क में 800 पेड़ों की कथित अवैध कटाई पर एनजीटी ने दिखाई सख्ती

प्रदेशभर में पेड़ों की जियो टैगिंग और शहर-जिलों में पेड़ों की गणना करवाने के निर्देश दिए

-कार्यालय संवाददाता-

- **एनजीटी ने आदेश दिए हैं कि, राजस्थान में 25 से अधिक पेड़ों की कटाई की अनुमति देने से पहले उच्च स्तरीय समिति प्रस्ताव की आवश्यकता और औचित्य की जांच करेगी।**
- **ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में ''पेड़ों की कटाई के बदले 10 से 100 गुना तक पौधारोपण करने और लगाए गए पौधों की 5 साल तक निगरानी करने के आदेश दिए।''**

जयपुर। राजस्थान में विकास कार्यों के नाम पर पेड़ों की कटाई और घटते हरित क्षेत्र को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्त रुख अपनाया है। अब प्रदेश में 25 से अधिक पेड़ों की कटाई की अनुमति देने से पहले उच्च स्तरीय समिति प्रस्ताव की आवश्यकता और औचित्य की जांच करेगी। इतना ही नहीं, प्रदेश के सभी पेड़ों की ''जियो-टैगिंग'' और शहरों व जिलों में वृक्ष गणना भी कराई जाएगी। पेड़ों की कटाई के बदले 10 से 100 गुना तक पौधारोपण और लगाए गए पौधों की 5 साल तक निगरानी के निर्देश भी दिए गए हैं।

एनजीटी की केंद्रीय क्षेत्रीय पीठ, भोपाल ने सोमवार को जयपुर के चौमूं हाउस, सी-स्कीम स्थित सार्वजनिक पार्क में करीब 800 पूर्ण विकसित पेड़ों की कथित अवैध कटाई के मामले में सुनवाई करते हुए ये महत्वपूर्ण निर्देश दिए। न्यायमूर्ति श्यो कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने मामले को पर्यावरण से जुड़ा गंभीर मुद्दा मानते हुए संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए।

1960 से पार्क के रूप में उपयोग हो रही जमीन पर कटाई का आरोप

मामले में आवेदक अनिल कुमार शर्मा ने अधिकरण को बताया कि चौमूं हाउस स्थित संबंधित भूमि मूल रूप से ठाकुर राजसिंह की ओर से आवंटित की गई थी। वर्ष 1960 से इसका उपयोग सार्वजनिक पार्क के रूप में हो रहा है। आरोप है कि कुछ अनधिकृत व्यक्तियों ने जेडीए की चारदीवारी तोड़कर सक्षम प्राधिकरणों से अनुमति लिए बिना करीब 800 हरे-भरे पेड़ों की कटाई शुरू कर दी। इस पर अधिकरण ने सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर संयुक्त समिति से मौका निरीक्षण और तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

छह सप्ताह में संयुक्त समिति देगी रिपोर्ट

एनजीटी ने मामले की जांच के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राजस्थान के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, जयपुर जिला कलेक्टर और राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के प्रतिनिधियों वाली संयुक्त समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। समिति छह सप्ताह में स्थल का निरीक्षण कर तथ्यात्मक रिपोर्ट और अब तक की गई कार्रवाई का विवरण प्रस्तुत करेगी। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल को समिति का नोडल विभाग बनाया गया है।

हर पेड़ की पहचान, सार्वजनिक होगा रिकॉर्ड

अधिकरण ने प्रदेश में पेड़ों की जियो-टैगिंग अनिवार्य करने के निर्देश दिए हैं। इससे पेड़ों की वास्तविक लोकेशन, प्रजाति और संख्या का रिकॉर्ड तैयार होगा। जियो-टैगिंग का डेटा सार्वजनिक करने के साथ मुख्य वन संरक्षक कार्यालय को भी उपलब्ध कराना होगा। इसके अलावा सभी शहरों और जिलों में व्यापक वृक्ष गणना कराई जाएगी। इसकी निगरानी प्रधान मुख्य वन संरक्षक या उनके नामित अधिकारी करेंगे।

कटाई की अनुमति से पहले विकल्प की तलाश

एनजीटी ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक, राजस्थान को उच्च स्तरीय केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) गठित करने के निर्देश दिए हैं। यह समिति 25 से अधिक पेड़ों की कटाई से संबंधित प्रस्तावों की आवश्यकता और औचित्य की जांच करेगी। किसी भी पेड़ को काटने की अनुमति देने से पहले ऐसे विकल्प तलाशने होंगे, जिनसे पेड़ों को बचाया जा सके या कम से कम पेड़ों की कटाई हो। जिला मजिस्ट्रेटों को भी सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना पेड़ नहीं काटे जाने देने के निर्देश दिए गए हैं।

70 साल में विकसित होता है हरित आवरण

अधिकरण ने प्रतिपूरक वनीकरण को लेकर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की। पीठ ने कहा कि पेड़ों की कटाई से नष्ट हुए हरित आवरण को दोबारा विकसित होने में 70 से 100 साल तक लग सकते हैं। ऐसे में क्षतिपूर्ति तय करते समय पेड़ों के पुनर्विकास में लगने वाले समय और उनके जीवनकाल में मिलने वाले पर्यावरणीय लाभों को ध्यान में रखना जरूरी है। समिति को स्थानीय परिस्थितियों और उपलब्ध भूमि के अनुसार काटे गए पेड़ों की संख्या से 10 से 100 गुना तक पौधारोपण की संभावना पर विचार करने को कहा गया है। लगाए गए पौधों के कम से कम पांच साल तक जीवित रहने की निगरानी भी की जाएगी। मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबर को होगी।

राजीविका दिवाली मेले में हस्तशिल्प व सजावटी उत्पाद खरीदने उमड़े लोग



राजीविका दिवाली मेले के छठवें दिन भी खरीददारों की भीड़ उमड़ी।

जयपुर। राजीविका दिवाली मेला-2026 में छठे दिन भी खरीदारों की अच्छी भीड़ उमड़ी। मेले में पहुंचे लोगों ने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार हस्तशिल्प, आकर्षक सजावटी सामग्री, पारंपरिक कलात्मक वस्तुओं और घरेलू उपयोग के उत्पादों की जमकर खरीदारी की। राजीविका दीदियों के हुनर, मेहनत और रचनात्मकता से तैयार उत्पाद आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

दिवाली के अवसर पर घरों को सजाने के लिए मेले में कई तरह की हस्तनिर्मित वस्तुएं उपलब्ध हैं। पारंपरिक राजस्थानी कला और आधुनिक पसंद के सुंदर समन्वय से तैयार उत्पादों को खरीदार खूब पसंद कर रहे हैं। स्टॉलों पर सजावटी सामान और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की विविधता के चलते मेले में दिनभर चहल-पहल बनी रही।

राजीविका दीदियों द्वारा तैयार उत्पादों की खरीदारी से स्थानीय कला और हस्तशिल्प को प्रोत्साहन मिल रहा है। साथ ही, ग्रामीण महिलाओं को अपने हुनर और रचनात्मकता को बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है। मेले में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं अपने उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री कर रही हैं, जिससे उनकी आय और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिल रही है। 28 अक्टूबर से 4 नवंबर तक आयोजित यह मेला प्रतिदिन सुबह 10 से रात 9 बजे तक आमजन के लिए निःशुल्क खुला है। राजीविका दिवाली मेला केवल खरीदारी का मंच नहीं, बल्कि महिला उद्यमिता, स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का अवसर भी बन रहा है। मेले में लगातार बढ़ती लोगों की सहभागिता से राजीविका दीदियों के स्वदेशी उत्पादों के प्रति उत्साह और पसंद साफ नजर आ रही है।

'ओबीसी महिलाओं के राजनैतिक प्रतिनिधित्व की संवैधानिक गारंटी की मांग उठाएगी कांग्रेस'

नई दिल्ली। इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में ओबीसी कांग्रेस विमेंस विंग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक राष्ट्रीय संयोजक सुचित्रा आर्य की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में ओबीसी महिलाओं को लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में पृथक राजनीतिक प्रतिनिधित्व की संवैधानिक गारंटी दिलाने की मांग को राष्ट्रीय विमर्श बनाने की रणनीति तैयार की गई।

बैठक में कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सामाजिक न्याय के विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद तथा ओबीसी एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य, एआईसीसी सचिव एवं हरियाणा सहप्रभारी जितेंद्र बघेल ने पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों का मार्गदर्शन किया। बैठक में ओबीसी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने, शोषित एवं वंचित वर्ग की महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व दिलाने और मांग के समर्थन में व्यापक सामाजिक-राजनीतिक समर्थन जुटाने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही प्रदेश एवं जिला स्तर पर संगठन का विस्तार, नए महिला नेतृत्व को जोड़ने और पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति पर भी विचार हुआ। बैठक में सामाजिक न्याय, समान अवसर और ओबीसी महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों एवं राजनीतिक भागीदारी के लिए संगठित प्रयास करने का संकल्प लिया गया।



इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में ओबीसी कांग्रेस विमेंस विंग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक राष्ट्रीय संयोजक सुचित्रा आर्य की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

दिवाली पर जयपुर शहर में रोडवेज बसों की एंट्री बंद

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। दिवाली पर खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए जयपुर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। शहर के प्रमुख सिंधी कैंप बस स्टैंड पर अब निजी बसों के साथ रोडवेज बसों की आवाजाही पर भी अस्थायी रोक लगा दी गई है। यातायात पुलिस के आदेश के अनुसार 3 से 9 नवंबर तक रोडवेज बसें सिंधी कैंप बस स्टैंड पर नहीं आएंगी। इस दौरान अलग-अलग मार्गों की बसों का संचालन शहर में निर्धारित वैकल्पिक स्थानों से किया जाएगा।

दिवाली के नजदीक आने के साथ जयपुर के परकोटे और आसपास के बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की आवाजाही बढ़ रही है। इससे सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ने और जाम लगने की आशंका रहती है। सिंधी कैंप बस स्टैंड पर दिनभर बसों की आवाजाही भी आसपास के यातायात को प्रभावित करती है। इसी दबाव को कम करने के लिए पहले निजी और स्लीपर बसों के प्रवेश पर रोक लगाई गई थी। अब रोडवेज बसों के संचालन स्थलों में भी बदलाव किया गया है।

यातायात पुलिस के आदेश के मुताबिक दिल्ली और आगरा जाने वाली रोडवेज बसें रोटरी सर्किल बस स्टैंड से रवाना होंगी। अजमेर मार्ग की बसें हीरापुरा बस स्टैंड से मिलेंगी, जबकि टोंक रोड की ओर जाने वाली बसों का संचालन पुराने बाईपास पर क्लोवरलीफ के नीचे से होगा। सीकर रोड की तरफ जाने वाली बसें विद्याधर नगर स्टेडियम से चलेंगी।

इस व्यवस्था के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य के अनुसार निर्धारित स्थान पर पहुंचकर बस पकड़नी होगी। खासकर दिवाली के आसपास यात्रा करने वालों को घर से निकलने से पहले बस के प्रस्थान स्थल की जानकारी कर लेना जरूरी होगा, ताकि आखिरी समय में बस स्टैंड बदलने के कारण परेशानी न हो।

पत्नी और प्रेमी ने पति को किया चाकू से लहूलुहान

जयपुर। राजधानी में पत्नी और उसके प्रेमी पर पति के साथ मारपीट कर जानलेवा हमला करने का आरोप लगा है। पीड़ित का आरोप है कि पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर घर में घुसकर उस पर हमला किया। पत्नी ने उसके हाथ पकड़कर शरीर पर कई जगह दांतों से काटा, जबकि प्रेमी ने धारदार चाकू से चेहरे, हाथ, हथेली और शरीर के अन्य हिस्सों पर वार किए। घटना के बाद पीड़ित ने जवाहर सर्किल थाने में दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

एएसआई मुरारी लाल ने बताया कि मालवीय नगर निवासी 41 वर्षीय व्यक्ति ने शनिवार को रिपोर्ट दर्ज करवाई। पीड़ित ने आरोप लगाया कि 23 अक्टूबर की सुबह करीब 6.30 बजे उसने पत्नी और उसके प्रेमी को बड़ी चौपड़ पर आपत्तिजनक स्थिति में देखा था। इस पर उसने दोनों के संबंधों का विरोध किया। वहां मौजूद लोगों ने दोनों का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी प्रसारित किया। पीड़ित के अनुसार,उसी दिन रात करीब 8.30 बजे पत्नी अपने प्रेमी के साथ घर पहुंची और दोनों ने उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि पत्नी ने उसके दोनों हाथ पकड़ लिए और शरीर पर कई जगह दांतों से काटकर जख्मी कर दिया। वहीं प्रेमी ने धारदार चाकू से चेहरे, हाथ, हथेली सहित शरीर के कई हिस्सों पर वार किए। पीड़ित के चिल्लाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों को आता देखकर पत्नी और उसका प्रेमी वहां से फरार हो गए।

सार-समाचार

सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया



जयपुर। बीएसएनएल राजस्थान परिमंडल की ओर से 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय ने इसका शुभारंभ कर अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस दौरान 'बीएसएनएल सीडीए नियमों' पर प्रश्नोत्तरी और निवारक सतर्कता विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। ग्राम सभाओं तथा विद्यालयों-महाविद्यालयों में भी भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। 31 अक्टूबर को जयपुर में आयोजित समापन समारोह में महाप्रबंधक (सतर्कता) अनु श्रीवास्तव ने 'स्पॉट द रेड फ्लैग्स' विषय पर वेबिनार दिया। मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा करते हुए सतर्कता को दैनिक कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाने का आव्हान किया। सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता) मान सिंह रावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जीवनशैली सप्ताह के तहत गतिविधियां

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास के निर्देशों की पालना में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधीन आईसीडीएस निदेशालय की ओर से 1 से 7 नवंबर तक ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। सप्ताह के दौरान प्रदेशभर में पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। आईसीडीएस की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) एवं नोडल अधिकारी अलका विश्नोई ने बताया कि इस वर्ष सप्ताह का विशेष फोकस स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, ऊर्जा एवं जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त परिवेश और अपशिष्ट प्रबंधन पर रहेगा। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है, वहां सभी कार्यक्रम आचार संहिता के प्रावधानों को ध्यान में रखकर आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, आयोजित गतिविधियों की जानकारी समयबद्ध रूप से 'मेरी लाइफ पोर्टल' पर दर्ज की जा रही है।

वरिष्ठ चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता को अवार्ड



जयपुर। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के जन्मदिन के अवसर पर आज एसआरके फिल्म प्रोडक्शन एवं शाइनिंग ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में साइंस पार्क स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में शहर के वरिष्ठ चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता को 'शाइनिंग सेवन स्टार अवार्ड' प्रदान कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि चित्रकार गुप्ता पिछले 28 वर्षों से शहीद सैनिकों के तेल चित्र बनाकर उनके परिवारजनों को भेंट कर रहे हैं वह अभी तक 400 से अधिक तेल चित्र भेंट कर चुके हैं।

4500 पैक्स समितियों के कर्मचारी बीते कई महीनों से वेतन को तरसे : आमेरा

जयपुर। सहकारी साख आंदोलन की रीढ़ ग्राम सेवा सहकारी समितियों (पैक्स) के करीब 4500 समितियों के कर्मचारी कई महीनों से वेतन के अभाव में आर्थिक संकट झेल रहे हैं। ऑल राजस्थान को-ऑपरेटिव बैंक एम्प्लॉइज यूनियन के प्रांतीय महासचिव एवं सहकारी साख समितियां एम्प्लाइज यूनियन के प्रांतीय अध्यक्ष सूरज भान सिंह आमेरा ने बताया कि पैक्स व्यवस्थापक, सहायक व्यवस्थापक और सेल्समैन किसानों को फसली ऋण वितरण, वसूली तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन उन्हें समय पर वेतन नहीं मिल रहा। आमेरा ने बताया कि पैक्स कर्मचारियों के वेतन का मुख्य आधार राज्य सरकार का 4 प्रतिशत और केंद्र सरकार का 3 प्रतिशत ऋण वितरण अनुदान है, जो लंबे समय से बकाया है। इससे समितियां आर्थिक संकट में हैं। जहां सहकारी ढांचे के अन्य कर्मचारी वेतन और बोनस के साथ दिवाली मनाने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं पैक्स कर्मियों के सामने त्योहार मनाने का संकट है। यूनियन ने मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री, सहकारिता विभाग एवं राज्य सहकारी बैंक को पत्र लिखकर बकाया अनुदान राशि तत्काल जारी करने और पैक्स कर्मचारियों के वेतन भुगतान की व्यवस्था करने की मांग की है। आमेरा ने कहा कि किसानों की खुशहाली के लिए दिन-रात काम करने वाले कर्मचारियों के घर दिवाली पर अंधेरा रहना सहकारिता के सिद्धांतों के खिलाफ है।

बिना दोषी ठहराए अवमानना याचिका खारिज होने पर नहीं हो सकती अपील : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने टोंक कलेक्टर टीना डाबी सहित अन्य के खिलाफ अवमानना से जुड़ी अपील को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। अदालत ने कहा है कि यदि एकलपीठ ने अफसरों को अवमानना का दोषी नहीं माना है तो अवमानना अधिनियम की धारा 19 के तहत अपील दायर नहीं की जा सकती। सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश सुखलाल धाकड की अपील को खारिज करते हुए दिए। अपील में टोंक कलेक्टर टीना डाबी, एसडीओ रूबी अंसार, देवली तहसीलदार मेघना गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया था। अपील में कहा गया कि एकलपीठ ने इन्हें दोषी नहीं माना है। ऐसे में अपील को स्वीकार करते हुए इन अफसरों को अदालती आदेश की अवमानना के लिए दंडित किया जाए। जिस पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने माना की यदि एकलपीठ ने अधिकारियों को अवमानना के लिए दोषी नहीं माना है तो फिर अवमानना अधिनियम की धारा 19 के तहत अपील पर सुनवाई नहीं की जा सकती।

कबाड़ के अवैध गोदामों पर निगम का एक्शन

निगम दस्ते ने 7 लोगों पर कार्रवाई करके 70 हजार रु. जुर्माना वसूला



जयपुर (कासं)। नगर निगम जयपुर के 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप 2.0' के तहत वार्ड 87 में अवैध कबाड़ गोदामों और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। भाजपा पार्षद प्रतिभा शर्मा के नेतृत्व में स्वेज फार्म के महादेव चौराहे और करतारपुरा क्षेत्र में सात लोगों पर कुल 70 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।

कार्रवाई में सामने आया कि कबाड़ गोदामों में अग्निशमन यंत्र तक उपलब्ध नहीं थे। अवैध संचालन और आसपास कचरा एवं कबाड़ फैलाने से स्थानीय निवासियों को परेशानी हो रही थी। इससे आगजनी की आशंका भी बनी हुई थी। कार्रवाई के दौरान वजीर पर 15 हजार, मोईन पर 11 हजार, मोहम्मद जाकिर पर 11 हजार, फजरूद्दीन पर 10 हजार, मनोज पर एक हजार, विक्की पर दो हजार और उमर फारूख पर 20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। कार्रवाई में सीएसआई पवन जाजोटर, एसआई अशोक और जमादार प्रकाश की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बार-बार समझाइश के बावजूद गंदगी फैलाने पर चालान किए गए। इससे पहले भी वार्ड में 23 हजार रुपए के चालान किए गए थे। पार्षद प्रतिभा शर्मा ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। सार्वजनिक स्थानों पर कचरा और कबाड़ फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

बाजारों में शाम 6 बजे बाद वाहनों की नो-एंट्री

6 से 9 नवंबर तक परकोटे सहित प्रमुख बाजारों में बदलेगी यातायात व्यवस्था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। दीपावली पर धनतेरस, रूप चतुर्दशी, दीपावली और गोवर्धन पूजा के दौरान बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए जयपुर यातायात पुलिस ने विशेष यातायात व्यवस्था लागू की है। यह व्यवस्था 6 से 9 नवंबर तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से प्रभावी रहेगी। इस दौरान परकोटे सहित शहर के प्रमुख बाजारों में वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। यातायात पुलिस ने आमजन से मेट्रो और निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने की अपील की है।

परकोटे में प्रवेश-निकास के लिए तय किए मार्ग

पुलिस उपायुक्त यातायात प्रवीण नायक नुनावत के अनुसार परकोटे में रोशनी देखने आने वाले हल्के वाहनों के लिए प्रवेश और निकास के रास्ते निर्धारित किए गए हैं। चांदपोल और अजमेरी गेट से आने वाले वाहन किशनपोल व चांदपोल बाजार होते हुए छोटी चौपड़ पहुंचेंगे। यहां से त्रिपोलिया बाजार रोड मीडियन के दाहिनी तरफ से त्रिपोलिया टी-पॉइंट, चौड़ा रास्ता और न्यूगेट होते हुए रामनिवास बाग व मान प्रकाश स्लिप लेन से टोंक रोड और जेएलएन मार्ग जा सकेंगे।

सांगानेरी गेट से आने वाले वाहन जौहरी बाजार और बड़ी चौपड़ होते हुए त्रिपोलिया बाजार से निकलेंगे। घाटगेट से आने वाले वाहन रामगंज चौपड़, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता और न्यूगेट अथवा चार दरवाजा व सूरजपोल गेट से अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

इन बाजारों में नो व्हीकल जोन

पैदल खरीदारी करने वालों की सुविधा के लिए बापू बाजार, नेहरू बाजार, इंदिरा बाजार और संजय बाजार में वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा रामनिवास बाग चौराहे से सांगानेरी गेट के बीच भूमिगत पार्किंग के प्रवेश द्वार को छोड़कर वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। बांदरवाल गेट से बड़ी चौपड़ और छोटी चौपड़ से सार्दुल सिंह की नाल तक गणगौरी बाजार में भी वाहन नहीं चल सकेंगे।

यहां कर सकेंगे वाहनों की पार्किंग

झोटवाड़ा और स्टेशन रोड की तरफ से आने वाले वाहन चांदपोल अनाज मंडी और मेट्रो स्टेशन की पार्किंग में खड़े किए जा सकेंगे। सीकर, अजमेर और मानसरोवर की तरफ से आने वाले वाहन रामनिवास बाग की भूमिगत पार्किंग में पार्क कर सकेंगे। परकोटे के निवासी रामनिवास बाग स्थित जेडीए पार्किंग और रामलीला मैदान में वाहन खड़े कर सकेंगे। रोशनी देखने आने वाले लोग चांदपोल अनाज मंडी या अन्य नजदीकी मेट्रो स्टेशनों की पार्किंग में वाहन खड़े कर मेट्रो से परकोटे पहुंच सकेंगे। यातायात पुलिस ने पार्किंग और लाइव यातायात स्थिति की जानकारी के लिए क्यूआर कोड भी जारी किया है।

6-9 नवंबर तक ई-रिक्शा और मालवाहक वाहनों पर भी पाबंदी

6 से 9 नवंबर तक परकोटा, एमआई रोड, अशोक मार्ग और एमडी रोड पर ई-रिक्शा, ई-ऑटो और ऑटो रिक्शा का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि क्यूआर कोड की अनुमति प्राप्त ई-रिक्शा इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। हल्के मालवाहक वाहन, ठेले और पिकअप का प्रवेश शाम 4 बजे के बाद परकोटा और प्रमुख व्यावसायिक मार्गों पर बंद रहेगा। एम्बुलेंस सहित अन्य आपातकालीन वाहनों को प्रतिबंध से छूट दी गई है।

दिवाली पर रात 12.30 बजे तक दौड़ेगी मेट्रो, रोजाना 214 फेरे

दीपावली पर परकोटे सहित शहर के प्रमुख बाजारों में खरीदारी और रोशनी की सजावट देखने उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए जयपुर मेट्रो प्रशासन ने यात्रियों को राहत दी है। त्योहार के दौरान 3 से 11 नवंबर तक मेट्रो ट्रेनों के फेरों की संख्या बढ़ाई गई है। अब प्रतिदिन 202 के बजाय 214 फेरे लगाए जाएंगे। वहीं, बाजारों में देर रात तक खरीदारी करने वालों की सुविधा के लिए आखिरी मेट्रो रात 12.30 बजे तक संचालित होगी।

विशेष व्यवस्था के तहत मानसरोवर और बड़ी चौपड़ मेट्रो स्टेशन से रात 12.30 बजे अंतिम ट्रेन रवाना होगी। इससे परकोटे के बाजारों में खरीदारी करने, दीपावली की रोशनी देखने और त्योहार की तैयारियों के लिए आने वाले शहरवासियों के साथ देशी-विदेशी पर्यटकों को भी सुविधा मिलेगी। जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वैभव गालरिया ने बताया कि दीपावली के दौरान परकोटे के बाजारों में भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस ने भी विशेष व्यवस्था की है। 6 से 9 नवंबर तक परकोटा क्षेत्र में सिटी बसों, मिनी बसों, ऑटो, ई-रिक्शा सहित अन्य वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे में मेट्रो बाजारों तक पहुंचने और वहां से लौटने का सुविधाजनक विकल्प बन सकती है। खासतौर पर बड़ी चौपड़ स्टेशन के आसपास के बाजारों में खरीदारी करने वालों को इसका लाभ मिलेगा।

पेट्रोल भरवाकर बिना भुगतान भागने वाले दो छात्र गिरफ्तार

- **फर्जी नंबर प्लेट लगाकर जयपुर में 20 से ज्यादा वारदातें कबूलीं**
- **शौक पूरे करने के लिए करते थे वारदात, दो गाड़ियां जब्त**

जयपुर। पेट्रोल पंपों पर ईंधन भरवाकर बिना भुगतान किए भागने और विरोध करने पर कर्मचारियों से मारपीट करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में इस्तेमाल की गई दो गाड़ियां जब्त की गई हैं। दोनों आरोपियों ने जयपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 20 से अधिक वारदातें करना कबूल किया है। उनका एक अन्य साथी अभी फरार है। गिरफ्तार आरोपी 19 और 20 साल के हैं तथा छात्र हैं। पुलिस के अनुसार वे अपने शौक पूरे करने के लिए इन वारदातों को अंजाम देते थे।

डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कनकपुरा रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले अंकित वर्मा और गणपति नगर रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले विशाल मेहरा के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी रात के समय सुनसान स्थानों और घरों के बाहर खड़ी गाड़ियों से नंबर प्लेट चुरा लेते थे। इसके बाद चोरी की नंबर प्लेट अपनी या परिचितों की गाड़ियों पर लगाकर पेट्रोल पंपों पर वारदात करते थे।

आरोपियों ने मानसरोवर सोडाला, हरमाड़ा, सीकर रोड, करधनी, बिंदायका, वैशाली नगर और करणी विहार सहित शहर के अन्य इलाकों में 20 से अधिक वारदातें करना स्वीकार किया है। पुलिस उनके कब्जे से मिली दोनों गाड़ियों के अलावा अन्य वाहनों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

डीसीपी ने बताया कि 28 अक्टूबर को राहुल शर्मा और बजरंग जाट ने बिंदायका थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट के अनुसार 23 अक्टूबर को सुबह करीब 5.11 बजे फर्जी नंबर प्लेट लगी कार में आए युवकों ने 4403 रुपए का पेट्रोल भरवाया और बिना भुगतान किए भाग गए। इसके बाद 28 अक्टूबर को दूसरी गाड़ी पर भी उसी नंबर की फर्जी प्लेट लगाकर 4070 रुपए का पेट्रोल भरवाया और आरोपी बिना पैसे दिए फरार हो गए। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

इधर घटना की गंभीरता को देखते हुए बिंदायका थानाधिकारी अनिल जैमिनी के नेतृत्व में थाना पुलिस और जिला विशेष टीम की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थलों के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की। इसके बाद जयपुर और सीकर के होटलों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन तथा आने-जाने के रास्तों पर लगे कैमरों के फुटेज की जांच की गई।

जांच के दौरान दोनों संदिग्धों के सीकर जिले के अलखपुरा गोदरान में होने की सूचना मिली। पुलिस टीम को देखकर दोनों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। पूछताछ में उन्होंने वारदातों में शामिल होना स्वीकार किया। पुलिस उनके तीसरे साथी की तलाश कर रही है।

इस कार्रवाई में बिंदायका थानाधिकारी अनिल जैमिनी, डीएसटी प्रभारी गणेश सैनी, एसआई गोवर्धन सिंह, तकनीकी शाखा के हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार तथा डीएसटी के कांस्टेबल राकेश कुमार, मुकुट बिहारी, सुरेश, सांवर और राम की अहम भूमिका रही।